

दिनांक 02 दिसम्बर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए  
**चाय विकास एवं संवर्धन योजना**

**434. श्री गौरव गोगोई:**

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) असम में चाय विकास एवं संवर्धन योजना को लागू करने की वर्तमान स्थिति क्या है, इसमें पिछले पांच वर्षों में राज्य में कितनी निधि आवंटित और उपयोग की गई;
- (ख) इस योजना के तहत असम में जिला-वार और वर्ष-वार कितने छोटे चाय उत्पादकों को लाभ मिला है;
- (ग) इस योजना से असम में, विशेषकर उत्पादकता, गुणवत्ता में सुधार, छोटे चाय उत्पादकों को सहयोग और बाजार विकास के मामले में क्या प्रमुख परिणाम हासिल हुए; और
- (घ) क्या योजना के प्रभाव के आकलन के लिए कोई थर्ड पार्टी मूल्यांकन, संपरीक्षा, या प्रदर्शन संबंधी मूल्यांकन किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसे आकलन के प्रमुख निष्कर्ष क्या रहे?

**उत्तर**

**वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री  
(श्री जितिन प्रसाद)**

(क): चाय बोर्ड असम राज्य सहित, पूरे देश में 'चाय विकास और संवर्धन योजना (टीडीपीएस)' कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना का उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ चाय के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना, बाजारों में आने वाली चाय की गुणवत्ता में सुधार करना, निर्यात को बढ़ावा देना, छोटे चाय उत्पादकों को स्वयं सहायता समूह और किसान उत्पादक संगठन (एसएचजी/एफपीओ) बनाने के लिए प्रेरित करना ताकि वे मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ सकें, एसएचजी/एफपीओ को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें मिनी चाय कारखाने स्थापित करने में सहायता प्रदान करना और क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाना है। इस योजना के तहत, चाय बोर्ड के समग्र बजट में से 152.76 करोड़ रुपये आवंटित किए गए और 150.20 करोड़ रुपये का उपयोग चाय बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 (दिनांक 31.10.2025 तक) की अवधि के दौरान असम राज्य से संबंधित क्रियाकलापों के लिए किया गया।

(ख): इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित होने वाले छोटे उत्पादकों की संख्या का जिला-वार और वर्ष-वार विवरण अनुबंध-1 के रूप में दिया गया है।

(ग) : चाय विकास एवं संवर्धन योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 (दिनांक 31.10.2025 तक) की अवधि के दौरान असम राज्य में की जाने वाली गतिविधियों में अन्य बातों के साथ-साथ 437.42 हेक्टेयर क्षेत्र में चाय का पुनःरोपण, 318 एसएचजी, 143 एफपीओ और 26 एफपीसी का गठन, 31 मिनी चाय कारखानों की स्थापना, 30.32 हेक्टेयर क्षेत्र के चाय बागानों को जैविक में बदल परिवर्तित करना, 30 फार्म फील्ड स्कूलों की स्थापना और 1343 क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। भारतीय चाय का निर्यात में असम चाय भी शामिल है, जिसमें 7.15 प्रतिशत सीएजीआर के साथ वर्ष 2021-22 में 751.07 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 923.89 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

(घ) : जी हॉ। विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) नीति आयोग द्वारा 'चाय विकास और संवर्धन योजना (टीडीपीएस)' का एक मूल्यांकन अध्ययन किया गया और मई 2023 में प्रमुख सिफारिशों के साथ इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ बोर्ड की बागान स्कीमों के संतोषजनक कार्यान्वयन के साथ-साथ छोटे चाय उत्पादकों के एसएचजी/एफपीओ के गठन और उन्हें चाय कारखाने स्थापित करने में मदद करने की उपलब्धियों का उल्लेख किया है। इसमें उत्पादकता बढ़ाने के मामले में योजना के संतोषजनक प्रभाव का भी उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ पुरानी और जीर्ण चाय की झाड़ियों का पुनःरोपण, ब्रांड संवर्धन प्रयासों को बढ़ाना, छोटे चाय उत्पादकों के एसएचजी/एफपीओ का गठन, किसानों को बेहतर कृषि पद्धतियों के बारे में ज्ञान का प्रसार और छोटे चाय उत्पादकों का क्षमता निर्माण शामिल है। वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि के लिए टीडीपीएस योजना को अंतिम रूप देते समय इन सिफारिशों पर विचार किया गया।

#### अनुबंध-1

**दिनांक 02.12.2025 को उत्तर के लिए लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 434 के भाग (ख) के**

#### उत्तर में संदर्भित अनुबंध

|         |          | लाभार्थियों की संख्या |         |           |         |                            |
|---------|----------|-----------------------|---------|-----------|---------|----------------------------|
| क्रं.स. | जिला     | 2021-22               | 2022-23 | 2023-2024 | 2024-25 | 2025-26<br>(31.10.2025 तक) |
| 1       | बक्स     | 5                     | 0       | 55        | 10      | 1                          |
| 3       | विश्वनाथ | 331                   | 397     | 227       | 140     | 482                        |

|    |                |       |       |      |       |      |
|----|----------------|-------|-------|------|-------|------|
| 4  | बोंगईगांव      | 339   | 0     | 550  | 88    | 4    |
| 5  | काचार          | 473   | 171   | 0    | 720   | 78   |
| 6  | चराइदेव        | 117   | 67    | 153  | 0     | 263  |
| 7  | धेमाजी         | 512   | 639   | 162  | 164   | 256  |
| 8  | डिब्रूगढ़      | 4101  | 4548  | 614  | 3052  | 1504 |
| 9  | गोलपारा        | 118   | 0     | 223  | 0     | 0    |
| 10 | गोलाघाट        | 2863  | 3245  | 983  | 1653  | 399  |
| 11 | जोरहाट         | 1835  | 1645  | 881  | 1060  | 348  |
| 12 | कार्बी आंगलोंग | 403   | 0     | 75   | 685   | 130  |
| 13 | कोकराझार       | 147   | 259   | 0    | 18    | 0    |
| 14 | लखीमपुर        | 920   | 927   | 391  | 415   | 736  |
| 15 | नागांव         | 1208  | 1069  | 250  | 961   | 104  |
| 16 | शिवसागर        | 309   | 0     | 129  | 753   | 466  |
| 17 | सोनितपुर       | 1144  | 955   | 716  | 478   | 754  |
| 18 | तिनसुकिया      | 5203  | 2897  | 1412 | 5972  | 1485 |
| 19 | उदलगुडी        | 1175  | 1202  | 417  | 533   | 459  |
|    | कुल            | 21203 | 18021 | 7238 | 16702 | 7469 |

\*\*\*\*\*